रात्रि क्लास 10-12-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

(देहली में मिटींग में राय निकली है शिव जयन्ति पर सभी धर्म वालों को बुलाने की ···)

अभीदेरी है। तुम्हारीबात और है उन्हों की बात और है। वह तो मिलते रहते हैं। तुम्हारे में वह ताकत चाहिए। अभी वह ताकत नहीं आई है बच्चों में। देसाई ने भी तुमको अकल सिखाया। जैसे और ओपिनींग करते हँसी कटवाते हैं तुम भी वह करते हो। बाबा हमेशा कहते हैं पहले कोचिंग करो तो फिर नाम वाला हो। वह तो और तुमको सिखलाने वाला निकलाकि ऐसा न करो। बाकी इतना समझते हैं कि यह ज्ञान योग है। तुम ज्ञानी हो तो अज्ञानियों मिसल क्यों करते हो। तुम्हारा जो असल था स्वीच खोलकर सामने बाप को देखो। यह बेहद का बाप है जिससे स्वर्ग का वरसा मिलता है। विश्व में शान्ति इनके राज्य में है। दैवी कैरेक्टर्स था। ऐसे2 समझावे तो असर हो। अभी देहीअभिमानी का वायुमंडल ही नहीं है। असर कर के 25% अच्छा बने हैं। बाकी कमा। देहीअभिमानीपने से ही बल मिलना है। गरीब निवाज दुःखी जो हैं वह फिर भी याद करते हैं बाकी तो अपने मौज में रहते हैं। ताकत कम है जो किसको तीर लगे। तुम समझते हो यह बनना बड़ी मुश्किल है।

तो ऐसे बड़े2 काम करने बाबा छुट्टी नहीं देंगे। बाबा कहते हैं वानप्रस्त में रहना है। जैसे कि शादी के दिन पुराने कपड़े पहनते हैं। परन्तु बाबा की समझानी को समझते थोड़ेही हैं। बाबा बहुत समझाते हैं गांधी बहुत साधारण रहता था। मेहतर मिसल। ठंढी में चादर पड़ीरहती थी। बिल्कुल ही साधारण तो नाम भी उनका होता है ना। बिल पावर थी। बिल पावर तुम बच्चों में होनी चाहिए। कितनी उनमें फर्क थी। यहां तो बात मतपूछो। सभीसेन्टर्स में किचड़ पट्टी है। आपस में रूहानी बातें करनी चाहिए। यहां तो असर के कर के शैतानी बातें करते हैं। बहुत सेन्टर्स पर ऐसे होते हैं। बाबा के पास तो सभी समाचार आते हैं। एक दो को सावधान नहीं करते और ही असावधान करते हैं। रूहानी सर्विस करने वालों की बुधि में यही बातें होंगी। सर्विस न है तो बाकीकिचड़=पट्टी ही है। बहुत बहुत सब= रायलिटी चाहिए। बहुतों को यह नशा नहीं है हमको बाप पढ़ाते हैं। हम बहुतऊंच बनने वाले हैं। चलन बाता बरण बहुतरायल चाहिए। एक दो को ऊंच उठाना चाहिए। नीचे न गिराना चाहिए। बहुत अच्छे2 मीठे बच्चे, जब माया नाक से पकड़ती है तो एकदम गिरा देती है। बड़ी भारी मंजिल है। बाबा कहते हैं बिल्कुल ही निरअंहकारी रहना है। फकीर लोग क्या पहनते हैं यहां तो बात मत पूछो। बहुत एक दो को गिराने की राय देते हैं। अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट और नमस्ते।

पायन्ट्स :-

---------- हरेक चीज़ बन्डर-फुल है। अभी तुम इस ज्ञान को समझते हो तो बन्डर बन्डर कहते रहते हो। बाप भी है बन्डर-फुल। कैसे बैठ तुमको नालेज देते हैं। दुनिया थोड़ेही इन बातों को जानती हैं। विचार सागर मथन करना इस बात में रमण करना है। यहां कोई पेट की पट्टी नहीं बांधनी है। एक पहाड़ा भी है ना सवेरे सुमन सवेरे उथन ····· दुनिया में कब पैसे की भीड़ न देखो। यहां तो गवर्न्मेन्ट कितना पैसे की भीड़ देखती है। तुमको बाप ऐसी नालेज देते हैं तुम्हारा बेड़ा ही पार हो जाता है। ड्रामा अनुसार फिर तुम ही गरीब बनते हो। फिर मैं आकर तुमको साहुकार बनाता हूं। बाप ही गरीब निवाज है ना।

विराट रूप पर किसको भी समझाना बहुत सहज होता है। बाबा ने दिल्ली वालों को लिखा है पहले से ही उनको समझाओ। टाईम तो दिया है। ताजा2 माल बुधि में होगा तो उनको अच्छी रीत समझा सकेंगे। बुधि में होगा तो स्पीच भी कुछ करेंगा। तुम्हाराघेराव ही देहली पर है। देहली को पारस्तान भीकहते हैं। बिला मंदिर में लगाहुआ है 5000वर्ष पहले दिल्ली पारस्तान था। परन्तु पारस्तान अक्षर से ही वह समझ नहीं सकते। पारस्तान अर्थात परियों के रहने का स्थान। सुहेनी को परी कहते हैं। नाम ही पारस्तानपड़ जाता है। संगम पर ले जाये समझाना है। यहां कितने ढेर मनुष्य वहां कितने थोड़े। बाप मनुष्यों की संख्या घटा देते हैं। कितनी सुखशान्ति हो जाती है। ओम।